"संवेदनशील लोकतान्त्रिक और न्यायप्रिय समाज

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन

वार्षिक रिपोर्ट

2011-12

175/148A, Nai Basti, Barah Khamba, Kydganj, Allahabad,

Uttar Pradesh-211003

E-Mail: extraanorganization@yahoo.com

Mob: +91 8127254051, +91 9695907532, +91 9452401478

विवरण

कार्य	पृष्ठ
▪ संस्था का परिचय	2
▪ संस्था का दृष्टिकोण एवं लक्ष्य	3
▪ संस्था का उद्देश्य एवं कार्यनीतियां	4
▪ 13 वां भारत रंग महोत्सव के लिए पुनः नाट्य निर्माण	5
▪ संस्था सदस्यों के क्षमता वर्धन कार्यशालाएँ	7
▪ त्रिमासिक नाट्य निर्माण कार्यशाला	8
▪ इस वर्ष की चुनौतियाँ	10

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन

(एक्सपेरिमेंटल थिएटर इन रियलिस्टिक एट्टीट्यूड)

परिचय : एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन (एक्सपेरिमेंटल थिएटर इन रियलिस्टिक एट्टीट्यूड) की नीव कई वर्षों के सघन चर्चा एवं विचारों के संघर्षों से गुज़रते हुए सन 2002 के 23 जनवरी को कलकत्ता में रखी गयी। संस्था की नीव की सिचाई में कला एवं रंगमंच कार्यकर्ता रिक्शा चालक साथी –इलाहाबाद, बूट मरम्मत कर्ता साथी-कोलकाता एवं रवीद्र भारती विश्वविध्यालय –कोलकाता, भारतेन्दु नाट्य अकेडमी-लखनऊ और फिल्म एण्ड टेलीविज़न इंस्टीट्यूट-पुणे में अध्ययन रत छात्र रहे हैं। एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन (एक्सपेरिमेंटल थिएटर इन रियलिस्टिक एट्टीट्यूड) अपने *मिशन "संवेदनशील लोकतान्त्रिक और न्यायप्रिय समाज"* की संकल्पना के साथ वचनबद्ध रहा है।

संस्था अपने मिशन की ओर बढने और इसकी प्राप्ति के लिए कला और संस्कृतियों की विविधिता से आभूषित भारत के पारंपरिक कला और यहाँ की संस्कृतियों के आधार पर रंगमंच के नए सौंदर्यशात्रीय प्रतिमान रचने में इसके शोध और खोज में लगातार व्यस्त रहता आ रहा है। इस रंगमंचीय प्रतिमान को समाज में स्थापित करने के लिए हम निरंतर हमारी प्रक्रियामयी प्रस्तुतियों से दर्शक और अभिनेता के बीच की दूरियों को लगातार कम करने की कोशिश में हैं। क्योकि हमें ऐसा लगता है की किसी नाटक का उत्पाद मात्र से नहीं बल्कि नाटक और रंगमंच के अंदर व्याप्त जीवन मुखी शाश्वत प्रक्रियाएँ हमें हमारे मिशन "संवेदनशील लोकतान्त्रिक और न्यायप्रिय समाज" तक पहुंचा सकेंगी।

संस्था की मुख्य रंगमंच प्रस्तुतियों में कुछ निम्न नाटक जिनका प्रस्तुति निम्न अंतर्राष्ट्रीय महोत्सवों में हुईं जैसे सर्वेश्वर दयाल सक्सेना द्वारा लिखित 'हवालात' राष्ट्रिय नाट्य विध्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित भारत रंग महोत्सव -2009, अंतोन चेखोव द्वारा लिखित 'टेढ़ा दर्पण' राष्ट्रिय नाट्य विध्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित भारत रंग महोत्सव -2010 तथा नेशनल थिएटर फेस्टिवल-केरला -2010 में, एवं धर्मवीर भारती द्वारा लिखित उपन्यास 'सूरज का सातवाँ घोडा' राष्ट्रिय नाट्य विध्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित भारत रंग महोत्सव -2011 एवं चेन्नई भारत रंग महोत्सव। इसके साथ ही साथ संस्था देश के अलग-अलग हिस्सों राजस्थान, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश में रंगमंच की टोलियों का निर्माण और कार्य भी कर रही एवं अनुभव इकत्र कर चुकी है। संस्था राष्ट्रिय स्तर पर कार्य करने हेतु नई दिल्ली से सन 2007 के 27 दिसम्बर को '**एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन**' के नाम से रजिस्टर किया है।

दृष्टिकोण

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन अपने दृष्टिकोण में यह मानता है की भारत की पारंपरिक रंगमंच एवं लोक शैलियों शोध कर नए अभिनय शैलियों और नाट्य शैलियों के साथ नए सौदर्यशाष्त्रीय प्रक्रियाओं का निर्माण करना। यह सौदर्यशाष्त्रीय प्रतिमान हमें हमारे मिशन की प्राप्ति का निर्मित होता मार्ग है। इस मार्ग के निर्माण के लिए राष्ट्रीय और इच्छुक अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं और रंगकर्मियों तक हमें अपने प्रक्रिया रंगमंच विधियों के साथ पहुँचना और इनका प्रस्तुति परक प्रसार। इस प्रसार के लिए हम अलग –अलग राज्यों के नाट्य एवं कला दलों तथा पारंपरिक संगीत टोलियों तक पहुँच रहे हैं जैसे : बीकानेर, राजस्थान में जन जागृति संस्था जो की एक नाट्य संस्था है , पश्चिम बंगाल के हुगली में आर्ट फ़ाउंडेशन ऑफ द एरा एवं जयपुर के दृश्य कला समूह अरविंद तथा बीकानेर के सुफी संगीत गायकों के साथ मिल कर हम अपने मिशन को साझा कर रहे हैं ताकि हमारी सब की इस मिशन *"संवेदनशील, लोकतान्त्रिक और न्यायप्रिय समाज"* के गठन की यात्रा में कला अपने कार्यवाहकों के साथ आगे आए।

लक्ष्य

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन अपने मिशन *"संवेदनशील लोकतान्त्रिक और न्यायप्रिय समाज"* की प्राप्ति के लिए निम्न लक्ष्यों की ओर बढ़ रही है जो की इस प्रकार हैं। मिशन के अनुरूप एक ऐसा रूप विषयक (मॉडल) सामुदायिक स्तर पर "बहुउद्देशीय सांस्कृतिक ग्राम" का निर्माण आगामी 2020 तक करना चाहती है। जहां शिक्षा, कला एवं रंगमंच में निरंतर प्रयोग और उनका स्थापन होता रहेगा संवेदनशील ,लोकतान्त्रिक और न्यायप्रिय समाज के निरंतर निर्माण के लिए इसके लिए भावी वर्तमान और आगंतुक पीढ़ियों के साथ इस प्रक्रिया का स्थापन हमें अतिआवश्यक महसूस होता रहा है। लक्ष्यों के कुछ निम्न बिन्दु इस प्रकार हैं:

- सामुदायिक स्तर पर "बहुउद्देशीय सांस्कृतिक ग्राम" का निर्माण के लिए बंजर भू-खंड खोजना और स्थानीय अथवा राज्य स्तरीय प्रशासनों से चर्चा
- सामुदायिक स्तर पर "बहुउद्देशीय सांस्कृतिक ग्राम" का निर्माण
- बहूद्देशीय सांस्कृतिक ग्राम के निर्माण के लिए चर्चाएँ चलाना राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर
- मॉडल के स्थापना के साथ ही साथ इस सामुदायिक स्तर पर "बहुउद्देशीय सांस्कृतिक ग्राम" का विस्तार अन्य राज्यों में।

उद्देश्य

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन अपने मिशन तक पहुँचने के लिए जो भी लक्ष्य रूपी मार्ग तैयार कर रहा है। उसके लिए रंगमंच के क्षेत्र में निम्न प्रकार के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कार्यरत है।

- स्थानीय एवं अन्य राज्यीय कला एवं रंगकर्मियों तक पहुँचना
- अंतर्राष्ट्रीय रंगकर्मियों से निरंतर संवाद एवं अपने रंगविधियों एवं विचारों का साझा
- नाट्य प्रक्रिया कार्यशालाओं के तहत स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर रंगकर्मियों का निर्माण
- ज़्यादा से ज़्यादा दर्शकों तक पहुँचना और उनकी वैचारिक भागीदारी सुनिश्चित करना

कार्यनीतियां

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन अपने मिशन तक पहुँचने के लिए जो भी लक्ष्य रूपी मार्ग तैयार कर रहा है। उसके लिए रंगमंच के क्षेत्र में उद्देश्यों की पूर्ति के लिए निम्न कार्यनीतियों पर कार्यरत है।

- संस्था के नाट्य प्रक्रिया प्रस्तुतियों का निर्माण उभर रहे निर्देशकों के द्वारा
- नाट्य उत्सवों में भागीदारी
- नाट्य प्रक्रिया कार्यशालाएँ
- दर्शक-अभिनेता संवाद
- रंगमंच एवं समाज पर स्थानीय वाकपीठों का आयोजन

13 वां भारत रंग महोत्सव, राष्ट्रिय नाट्य विध्यालय द्वारा आयोजित होने वाला एशिया का प्रथम सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव है। विगत दो वर्षों की भांति इस वर्ष भी एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन की नाट्य प्रस्तुति "**सूरज का सातवाँ घोडा**" जो की ध्रमवीर भारती का लघु उपन्यास है का चयन हुआ है। ***जिसकी प्रस्तुति 13 जनवरी -2011 को नयी दिल्ली के LTG प्रेक्षागृह में हुई एवं द्वितीय प्रस्तुति भी इस महोत्सव के अंतर्गत चेन्नई के म्यूज़ियम प्रेक्षागृह में हुई। नाटक का पुनः निर्माण इलाहाबाद में माह नवम्बर (2010) से लेकर 9 जनवरी 2011 तक हुई।*** इस पुनः निर्माण की डेमो प्रस्तुति उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, इलाहाबाद में हुई। इस पुनः निर्माण की प्रक्रिया में निम्न अभिनेता साथी एवं संगीत कर्मी साथी शामिल रहे है। अभिनेता समूह : जोन्ना पोनीकीवेस्का (पोलैंड), मनोज रजक (इलाहाबाद), नटराज हसरत (दिल्ली), गौरव शर्मा (झारखंड), भाष्कर गोस्वामी (असम), वीरभान (मध्य प्रदेश)कौशिक पोद्दार (कोलकाता), मास्टर विशाल (इलाहाबाद), मास्टर हाशिम खाँ (बीकानेर), मास्टर कालु खाँ (बीकानेर), मास्टर अज़ीम खाँ (बीकानेर) और अब्दुल (इलाहाबाद) तथा संगीत कर्मी साथी सायन चक्रवर्ती (सिलीगुड़ी), केतू (दर्जलिंग) सूफी संगीत कर्मी साथी मिर अब्दुल जब्बार (बीकानेर), मिर बस्सु खाँ (बीकानेर), मिर अंतर खाँ (बीकानेर), मिर मिठन खाँ (बीकानेर)। तकनीकी साथी –प्रकाश के लिए दिनेश (पंजाब), छायाचित्र –अरविंद जोधा, अंजलि शेखावत और दिशारी राहा (जयपुर) , कार्यक्रम प्रबन्धक –अजीत बहादुर (इलाहाबाद)।

सूरज का सातवाँ घोडा का नाट्य रूपांतर और निर्देशन राजकुमार रजक ने किया जो की संस्था के नए अभिनय सौन्दर्य पर चल रहे शोध 'कैरेक्टोर एक्स्प्रेशन' पर प्रस्तुति एवं निर्माण शैली आधारीत रही । यह नाट्य प्रस्तुति बहुभाषीय रही जो की बहुत ही लोकतान्त्रिक परिवेश में घटित सह निर्माण हुई है जो हैं – भोजपुरी , हिन्दी , इंगलिश, बंगला, आसामिया और पोलिश ।

इस नाट्य निर्माण में लगातार लगभग 20-22 सदस्य शामिल रहे । जिसका पूरा खर्च खुद स्वयं के आधार पर राहा , सभी साथियों ने अपना –अपना खर्च स्वयं वहाँ किया । यह नाट्य निर्माण रामलीला भवन , रामबाग , इलाहाबाद में हुआ । इस संस्था के सभी को धन्यवाद जिन्होने हमें सूरज का सातवाँ घोडा नाटक के पूर्वाभ्यास के लिए निरंतर स्थान दिया है ।

नाटक निर्माण के प्रथम चरण की सहायता IFA बैंग्लोर ने राजकुमार को इंडिविजुयल सहायता प्रदान करी जिससे इस नाट्य निर्माण की प्रक्रियाओं को और भी सुदृढ़ और संप्रेषित बनाया जा सका है ।

अप्रैल –जून

संस्था के सदस्यों का क्षमता वर्धन कार्यशाला का मुख्य विषय रहा है। "अभिनय में चरित्र का भाव और बेर्टोल्ट ब्रेष्ट के अलगाव के सिद्धांत का मिश्रण" एवं इसका प्रयोग आशु अभ्यासों के माद्यम से किया गया। जो क्रमवार 15-15 दिन के तीन हिस्सों में चला प्रथम चरण 15 मार्च से 31 मार्च , द्वितीय चरण 15 अप्रैल से 1 मई और 15 मई -2011 से 31 मई -2011 तक।

इस कार्यशाला में संस्था के तीन सदस्यों ने भाग लिया नटराज हसरत (दिल्ली), कौशिक पोद्दार (कोलकाता) एवं रायना राहा रजक (इलाहाबाद) । इस कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी स्वयं का खर्च स्वयं ही वहाँ कर रहे थे एवं रहने के लिए राजकुमार के घर पर रूके हुए थे। इन तीनों चरण के कार्यशाला को राजकुमार रजक ने फेसिलिटेट किया।

यह तीनों स्तर की कार्यशाला राजकुमार के घर पर एवं कुछ हिस्से कंपनी बाग के मैदान में हुए।

इस कार्यशाला से क्षमता वर्धन कर आगामी नाट्य निर्माण की प्रक्रिया में शामिल होने के लिए लिए अब यह अभिनेता और कला कर्मी प्रस्तुत हैं।

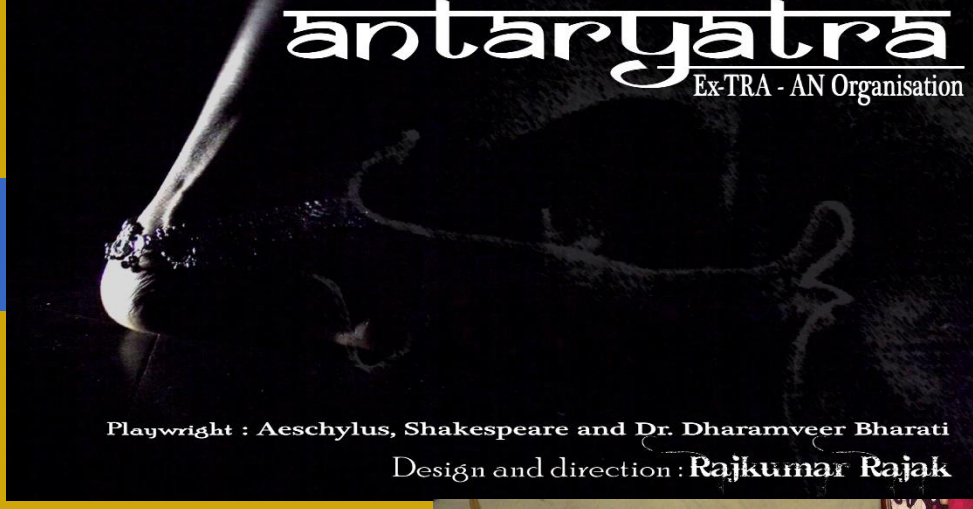

त्रिमासिक नाट्य निर्माण कार्यशाला इस कार्यशाला के निर्माण के लिए इलाहाबाद से अधिक अभिनेताओं को आमंत्रित किया गया। इस नाट्य निर्माण के लिए संस्था ने इलाहाबाद में पहली बार जुलाई माह में इलाहाबाद प्रेस क्लब में पत्रकारों के साथ बैठक की जिसमें इलाहाबाद शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी अनुपम आनंद जी ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया संस्था की ओर से।

इस नाट्य निर्माण कार्यशाला के लिए इलाहाबाद शहर से लगभग 13 युवा रंगकर्मियों का चयन किया गया। इनके साथ संस्था के अलग-अलग राज्यों के सदस्यों ने भी हिस्सा लिया जो पश्चिम बंगाल, केरला , दिल्ली तथा हैदराबाद से आकर इस नाट्य निर्माण की प्रक्रिया एवं प्रस्तुति में जुडे रहे हैं। जुलाई -2011 से सितम्बर 28 -2011 तक यह नाट्य निर्माण चला जो की दो चरणो में रहा है। इलाहाबाद से चयनित 13 अभिनेताओं में से कुल 7 अभिनेता लगातार इस कार्यशाला से जुड़े रहे हैं।

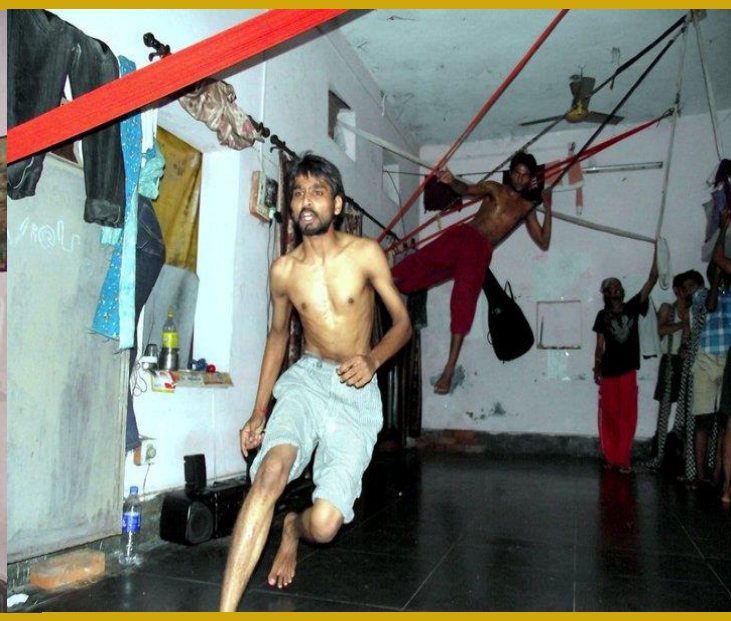

यह नाट्य निर्माण कार्यशाला के प्रथम चरण में इलाहाबाद के अभिनेताओं के द्वारा फोरम रूपी नुक्कड़ नाटक तैयार किया गया। जो इलाहाबाद के सुभाष चौराहा समेत कई स्थलों पर किया गया। तथा द्वितीय चरण में तीन नाटकों (ग्रीक त्रासदी- 'प्रोमिथियूस' लेखक एस्काइलस, 'मैकबेथ' लेखक शेक्सपियर और धर्मवीर भारती द्वारा लिखित 'शृष्टि का आखिरी आदिमी')को एक साथ सम्मिलित और सम्पादन कर "अंतर्यात्रा" नाटक का निर्माण किया गया। जिसकी प्रथम प्रस्तुति इलाहाबाद के उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंन्द्र में 14 सितम्बर -2011 को खेला गया।

इस नाटक में अलग राज्यों के हिस्सेदार साथियों ने अपने खर्चे को स्वयं ही वहाँ किया पर इलाहाबाद के साथियों का तथा प्रेक्षागृह संबन्धित खर्चों को राजकुमार द्वारा वहन किया गया।

hindustantimes SEPTEMBER 25, 2011 htcity

EXTRAVAGANZA

Theatre group 'Extra' organised a marvellous play 'Antaryatra' on the premises of North Central Zone Cultural Centre (NCZCC), with lots of enthusiasm.

On the occasion, artistes mesmerised the audience with their powerful play. The play was directed by Rajkumar Rajak, while Sunita Agarwal, Kaushik Poddar, Sayan Chakrawarti, Vinod Saroj, Sandeep Yadav, Siddharth Pal among others played key roles in making the play a success. HT CITY

Snapshots of the play

Press Review

अमर उजाला

अद्भुत रही सभ्यता की 'अंतर्यात्रा'

ANTARYATRA

ओक्टोबर-दिसम्बर

ओक्टोबर से दिसम्बर माह में संस्था के सदस्य अपने –अपने स्तर पर अन्य नाट्य दलों के कार्यशालायों में वस्त रहे हैं। अपने ज़रूरियात को इकट्ठा करने एवं एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन को सपोर्ट करने के लिए।

इस वर्ष की चुनौतियाँ निम्न प्रकार से रहीं हैं।

- ❖ स्थानीय अभिनेताओं का लगातार जुड़ाव एक से ज़्यादा नाट्य प्रस्तुतियों में
- ❖ संस्था फाइनाइन्सियल स्रोत
- ❖ अभिनेताओं का स्वास्थ
- ❖ रेसिडेंसीयल पूर्वाभ्यास स्थल का अभाव